माटी कला समाज राष्ट्रहित में काम करने के लिए सदैव तत्पर- मुख्यमंत्री

माटी कला बोर्ड की बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा में मुख्यमंत्री ने कलाकारों की सराहना की

जयपुर, 6 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि माटी कला समाज के लोग सामाजिक सरोकारों तथा राष्ट्रहित में काम करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। इस समाज के लोगों को प्रजापत की संज्ञा दी जाती है क्योंकि वे मिट्टी को अपने हुनर के माध्यम से मूर्तरूप प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तेज, संतुलित एवं समावेशी बनाने के लिए कला एवं कलाकारों को लगातार प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर बजट घोषणाओं के लिए आयोजित धन्यवाद सभा में माटी कला बोर्ड के प्रतिनिधिमण्डल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले ही बजट में हर क्षेत्र और हर वर्ग की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश की है। बजट को लेकर पूरे प्रदेश में चर्चा है तथा प्रदेशवासियों की खुशहाली में ही हमारे जन सेवा के कार्यों की सार्थकता निहित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार माटी कला से जुड़े कलाकारों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य

- **माटी कला बोर्ड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को मिट्टी के बर्तन और किन्नू का पौधा भेंट किया।**

सरकार द्वारा 5 करोड़ रुपये की लागत से माटी कला सेंटर ऑफ एक्सलैंस की स्थापना, माटी कलाकारों को एक हजार इलेक्ट्रिक चाक और मिट्टी गूंथने की मशीनें, हैण्डलूम, हैंडीक्राफ्ट एवं मीडियम एण्ड स्मॉल स्केल इण्डस्ट्रीज़ (एम.एस.एम.ई.) सेक्टर के 50 क्लस्टर अगले तीन साल में विकसित करने जैसे निर्णय लिये गए हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि राज्य के प्रत्येक जिले को एक्सपोर्ट हब बनाया जाएगा, इसके लिए राजस्थान वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रॉडक्ट पॉलिसी 2024 लाई जाएगी।

शर्मा ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 18 व्यवसायों के दस्तकारों को 5 प्रतिशत की दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार ऐसे ऋणों पर 2 प्रतिशत का अतिरिक्त ब्याज अनुदान देगी। उन्होंने कहा कि रोजगार व निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एम.एस.एम.ई. पॉलिसी-2024 लायी जाएगी। हमारी सरकार ने उद्यिमयों को

माटी कला को बजट घोषणाओं में विशेष प्रोत्साहन देने के लिए प्रजापत समाज ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को माला पहनाकर धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर आयोजित सभा में कहा कि राज्य सरकार दस्तकारों की कला को प्रोत्साहन देने के लिए अगले तीन साल में 50 क्लस्टर विकसित करने जा रही है।

देश-विदेश में अपने उत्पादों की बिक्री में आवश्यक मदद देने के लिए 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि इन सभी योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारा जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमें अपने नागरिक कर्तव्यों को निभाते हुए आस-पड़ोस में रह रहे प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया गया। शर्मा ने सभी लोगों का आ ान किया कि पर्यावरण संरक्षण में अपनी महती भूमिका निभाते हुए इस अभियान का हिस्सा बनें तथा पेड़ लगाने के साथ उनकी देखभाल भी करें।

इस अवसर पर माटी कला बोर्ड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का बजटीय घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बोर्ड के पदाधिकारियों ने शर्मा को माटी के बर्तन तथा किन्नू का पौधा भेंट किया। इस अवसर पर श्री यादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

विनेश फोगाट ओलंपिक फाइनल में

पैरिस, 6 अगस्त (वार्ता)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगट ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल मुकाबलों में लगातार शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए क्यूबा की युसनेलिस गुजमान लोपेज को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है।

इस जीत के साथ विनेश ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गईं। 29 वर्षीय विनेश ने पेरिस ओलंपिक में पदक पक्का कर लिया है। यह ग्रीष्मकाली खेलों में उनका पहला पदक होगा।

सेमीफाइनल में विनेश ने पहले पीरियड में पैसिविटी के जरिए 1-0 की बढ़त ली। दूसरे पीरियड में वह और अधिक आक्रामक नज़र आईं और अपनी बढ़त को 5-0 करते हुए मुकाबला जीत लिया।

इससे पहले फोगट ने क्वार्टरफाइनल मैच में यूक्रेन की ओक्साना लिवाच को 7-5 हराया।

- **विनेश ने क्वार्टर फाइनल में विश्व चैम्पियन और सेमीफाइनल में क्यूबा की पहलवान को हराया है। अब उनका रजत पदक पक्का हो गया है। विनेश फाइनल में पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान है।**

फोगाट ने मैच के पहले पीरियड में 2-0 की बढ़त ले ली। दूसरे पीरियड में लिवाच ने मजबूत वापसी की लेकिन फोगाट ने अपनी चुनौती बरकरार रखी और यूक्रेनी पहलवान को हरा दिया। इससे पहले फोगाट ने प्री-क्वार्टर फाइनल में टोक्यो ओलंपिक 2020 चैंपियन जापान की युई सुसाकी को हराया था।

राहुल गांधी से संसद में किसान नेताओं ने मुलाकात की

नयी दिल्ली, 6 अगस्त (वार्ता) लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से किसानों के एक प्रतिनिधिनि मंडल ने मंगलवार को यहां संसद भवन परिसर में उनके कार्यालय में मुलाकात की और अपनी समस्याएं संसद में उठाने का आग्रह किया।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार श्री गांधी से मिलने गये किसानों के प्रतिनिधि मंडल में संयुक्त किसान मोर्चा के नेता शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल में देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे 11 किसान नेताओं ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष से मुलाकात की।

गांधी से मिलने वाले किसान नेताओं में योगेंद्र यादव, बलबीर सिंह, सुनीलम, दर्शन पाल, सत्यावन, हन्नान मोल्लाह, रंजन रामचंद्र शामिल थे।

बांग्लादेश में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तथा सीमा की स्थिति पर चर्चा की।

पाकिस्तान, चीन और अमेरिका इस स्थिति का लाभ उठाने की फिराक में हैं। ढ़ाका में स्थिति बिगड़ने के चंद रोज पहले ही 22 सीनेटर्स ने पत्र लिखा था और शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने तथा उनके स्थान पर किसी वैकल्पिक शासन व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया था। लेकिन जहाँ बहुत सारे लोग बहुत सारी बातें कह रहे हैं, वहीं मुख्य मुद्दा यह है कि शेख हसीना तानाशाह बन गई थी, उन्होंने विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था और सत्ता में बने रहने के लिये उन्होंने जो जरूरी समझा वो सब किया। जिस तरह से जनता से निपटने के मामले में उन्होंने अहंकार और अक्खड़पन से काम लिया, उससे भारत सरकार को भी सबक लेना चाहिए। बाँग्लादेश में, विद्यार्थियों ने सैन्य-शासन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। उनकी माँग बाँग्लादेश की संसद को भंग किये जाने की थी, और संसद भंग हो गई है।

इस समय जबरदस्त माँग मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में सरकार बनाये जाने की है। यूनुस एक अर्थशास्त्री तथा नोबल लॉरिएट भद्र पुरुष हैं तथा बाँग्लादेश में उनका काफी सम्मान है। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि वे सरकार का नेतृत्व करने के लिये राजी होंगे या नहीं। लेकिन हाँ, वे अगली सरकार, जिसके अन्तरिम सरकार होने की सम्भावना है, के सलाहकार बनने के लिये सहमत हो गये हैं।

आरक्षण कोटे में कोटा के मसले पर कांग्रेस नेताओं की बैठक

नई दिल्ली, 6 अगस्त। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस कोटे में कोटा पर आगामी दिनों में बड़ा कुछ करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी के मद्देनजर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मंगलवार की शाम पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर लंबी बैठक की। बैठक के बाद पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले, जिसमें एस.सी/एस.सी. कैटगरी का उप वर्गीकरण करने को मंजूरी दी गई है, पर पार्टी नेताओं ने डेढ़ घंटे तक चर्चा की है। जयराम रमेश ने कहा, "मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के अलावा कांग्रेस के कुछ सांसद और नेता मौजूद थे। इस बैठक का विषय सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला था।" जयराम रमेश ने कहा कि एससी/एसटी आरक्षण और कोटा के अंदर कोटा के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष अगले कुछ दिनों में कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों और प्रदेश अध्यक्षों से भी बातचीत करेंगे, उसके बाद इस पर आगे की रणनीति पर फैसला लिया जाएगा।

राहुल गांधी ने विदेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष द्वारा बिना शर्त समर्थन दिए जाने की सराहना की। उन्होंने लिखा कि संसद में सर्वदलीय मीटिंग में सरकार बांग्लादेश घटनाक्रम की जानकारी दी, विपक्ष के पूर्ण समर्थन और हालात के प्रति समझ की हम सराहना करते हैं।

मीटिंग में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। केन्द्र ने सभी दलों के सांसदों को बांग्लादेश के घटनाक्रम की पृष्ठभूमि और की जानकारी दी और बताया कि क्यों हालात ऐसे हुए। उन्होंने यह भी बताया कि हसीना को इसलिए भारत आना पड़ा क्योंकि उनके आवास पर विद्रोहियों ने धावा बोल दिया था।

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने बताया कि बांग्लादेश में लगभग बीस हजार भारतीय फंसे हुए हैं तथा आठ हजार को वहां से निकाल लिया गया है। ढाका में भारतीय उच्चायोग काम कर रहा है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है।

जयशंकर ने संकेत दिया है कि भारत सरकार ने हसीना को अगला कदम उठाने के लिए समय दिया है और कहा कि उनके फैसले को समर्थन देने के लिए भारत तैयार है।

कई अन्य खबरों से पता चला है कि शेख हसीना यू.के. में शरण लेना चाहती हैं पर अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। अभी वे भारतीय वायुसेना व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की सुरक्षा में हिंडोन एयरबेस में हैं।

केन्द्र ने सर्वदलीय बैठक में बताया कि हसीना भारत की मित्र हैं और सरकार उन्हें अगला कदम उठाने के बारे में फैसला करने का समय देना चाहती है।

सरकार ने यह भी बताया कि भारत सरकार बांग्लादेश की सेना के सम्पर्क में भी है, जिसने आतंरिक सरकार के गठन की घोषणा की है। सरकार ने विपक्षी दलों को बताया हालात पर पूरी नज़र है और सही समय पर सही कदम उठाया जाएगा।

कांग्रेस के सांसद कार्ति चिदम्बरम ने कहा कि भारत की मुख्य चिंता बांग्लादेश में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षा और सीमा पर हालात के लिए है। जब उनसे पूछा गया कि सरकार हालात से जैसे निपट रही है क्या उससे विपक्ष संतुष्ट है तो कार्ति ने कहा विदेश मंत्री ने विपक्षी दलों को सारी जानकारी दी यह स्वागत योग्य कदम है और राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर हम सरकार के साथ हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू को फ़िज़ी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

सुवा 6 अगस्त (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दक्षिण प्रशांत महासागरीय द्वीप देश फिजी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी'से नवाजा गया है। मुर्मु फिजी की सरकारी यात्रा पर यहां पहुंची है। वह यहां की यात्रा करने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं।

राजधानी सुवा के स्टेट हाउस में सोमवार को आयोजित समारोह में फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवलिली काटोनिवेरे ने सुश्री यह पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच गहरी मित्रता का प्रतीक है। उन्होंने फिजी की संसद को भी संबोधित किया और सांसदों से बातचीत की। सुश्री मुर्मु ने अपने संबोधन में इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि लोकतंत्र, बहुलवाद और विविधता के साझा मूल्य किस तरह दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं। उन्होंने कहा , भौगोलिक आकार में भारी अंतर के बावजूद भारत और फिजी दोनों में बहुत कुछ समान है, जिसमें हमारे जीवंत लोकतंत्र, हमारे समाजों की विविधता हमारा पंथ कि सभी मनुष्य समान हैं।

कानून मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार ने अवॉर्ड भी दिया है। विपक्ष के आरोप निराधार हैं। पटेल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने यह मुद्दा नियमों के तहत नहीं उठाया। उन्हें पता था कि मेरे बेटे की ए.ए.जी. के पद पर नियुक्ति नियमों और योग्यता के कारण मिली है, इसलिए लिखित में इसे मुद्दा नहीं बनाया। वकीलों के सीआरपीसी में नियुक्ति करने का मामला ही उठाया। इनकी नियुक्ति पर कोर्ट के आदेश और केन्द्र सरकार के निर्देशों में स्थिति स्पष्ट हो गई है। विपक्ष का मकसद बिना किसी तथ्य और मुद्दे के केवल हंगामा करना और सदन की कार्यवाही में गतिरोध पैदा करना भर था।

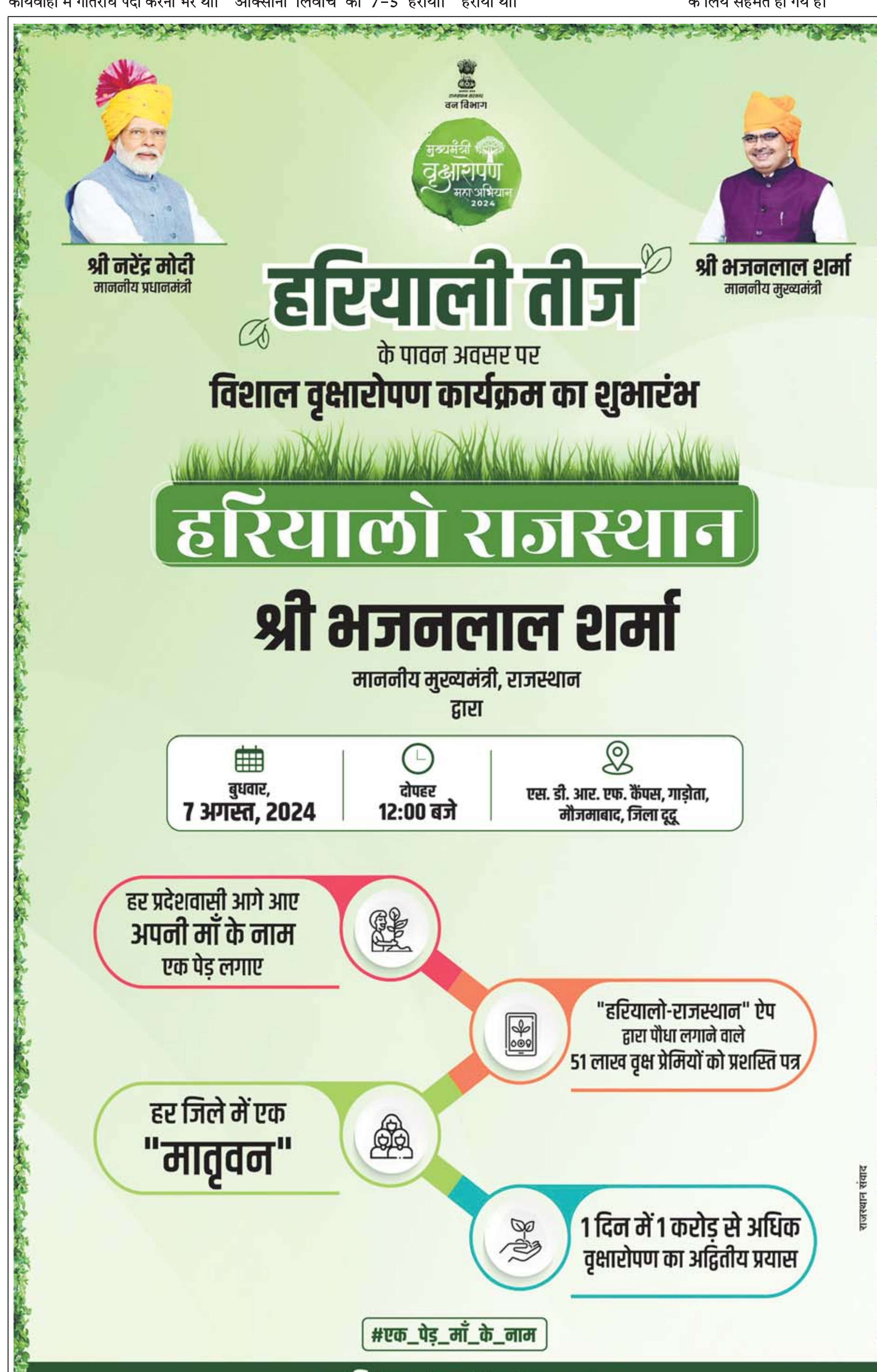

आरक्षण विरोधी आंदोलन अब इस्लामिक व भारत विरोधी "मूवमैंट" में तब्दील हुआ

और, यह भी सच है कि अब सेना ने इस्लामिक तत्वों से हाथ मिला लिये हैं तथा हिन्दू जनता निहत्थी, बैरंग सी, असहाय ही खड़ी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। बांग्लादेश में सेना प्रमुख ने हालांकि मौजूदा स्थिति को पूरी तरह से संभालने का आश्वासन दिया है, पर उसके बावजूद भी यह देश घोर अराजकता व अव्यवस्था में फंस गया है। बांग्लादेश अब कट्टरपंथी इस्लामी राष्ट्र बन गया है जो पूरी तरह से भारत विरोधी है।

बांग्लादेश में 300 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और कुछ को तो भीड़ ने ज़िंदा जला दिया था। सुधारवादी आंदोलन ने तालिबानी संगठन का रूप ले लिया है। बांग्लादेश के संस्थापक बंग बंधू मुजीबुर रहमान की मूर्तियां तोड़ दी गई हैं इसका सिरहन पूरे विश्व खासकर भारत में महसूस की जा रही है।

न्यूयॉर्क व वॉशिंगटन में बांग्लादेश दूतावास से भी शेख मुजीबुर की फोटो हटाने की मांग की गई है। ऐसा समझा जाता है कि शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद सेना पूरी तरह से कट्टरपंथियों के साथ हो गई है। जानकार सूत्रों ने कहा कि सेना वे कट्टरपंथी मिल गए हैं।

नौकरी में आरक्षण समाप्त करने के मुद्दे पर शुरु हुए आंदोलन पर जमात-ए-इस्लामी ने कब्जा कर लिया है और वे ही दंगे कर रहे हैं। भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल शंकर राय चौधरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि अभी तक बांग्लादेश की सेना मित्र इकाई थी, पर अब वह शत्रु के साथ है।

बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं व हिंदू संस्थानों पर हमले हो रहे है। पुलिस व सेना उन्हें बचाने के लिए कुछ नहीं कर रही है।

- **रूढ़ीवादी इस्लामिक ताकतों का प्रकोप व कहर देखकर, अब महसूस हो रहा है, किस हिम्मत से शेख हसीना दृढ़ खड़ी थीं, इन साम्प्रदायिक ताकतों से हिन्दू नागरिकों की सुरक्षा के लिये।**
- **बांग्लादेश के वॉशिंगटन व न्यूयॉर्क दुतावासों में शेख मुजिबुर रहमान की फोटो को ज्यादा प्रमुखता नहीं देने के आदेश दिये जा चुके हैं।**
- **भारत के खिलाफ घृणा व गुस्सा इतना जबरदस्त है कि एक फिल्म प्रोड्यूसर व निर्देशक को दंगाईयों ने पीछा करके पकड़ लिया तथा फ्लाईओवर पर मार दिया व शवों को जला दिया। इन फिल्म हस्तियों का जुर्म यह था कि उन्होंने एक लोकप्रिय बंगाली एक्टर देब के साथ एक फिल्म बनाई थी।**

बांग्लादेश से जो तस्वीरें मिल रही है उनमें दिख रहा है कि कैसे लोगों को बिजली के खंभों और फ्लाइओवर से लटकाया जा रहा है। बांग्लादेश सोसायटी हिंसा की घटनाओं को दबा रही है।

दुर्भाग्यवश बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है उसका पहला निशाना भारत और हिंदू आबादी है। हिंदूओं का जीवन खतरे में है। शेख हसीना के जाने के बाद पता लग रहा है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण थी।

हिंदूओं के घरों में तोड़फोड़ और लूटपाट हो रही है उनकी दुकानों व अन्य संस्थाओं, मंदिरों को जलाया जा रहा है।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बांग्लादेश के घटनाक्रम की जानकारी दी। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने कहा कि हिंदुओं के मंदिरों पर हमले हो रहे है।

भारत के खिलाफ नफरत कितनी ज्यादा है। इसका पता इसी से चलता है कि एक फिल्म प्रोड्यूसर ने बंगाली अभिनेता देब के साथ फिल्म बनाई थी, इसलिए भीड़ ने उसे पीट-पीट कर मार डाला।

बहुत सारे लोग खतरनाक हमलावर लोगों से जान बचाने की कोशिश में अन्य स्थानों पर शरण ले रहे हैं तथा सीमा पार कर लोगों के भारत में आने की संभावना है।

बड़ी संख्या में हत्याएं तथा अंग-भंग करने की घटनाएं हो रही है। सेना द्वारा जिम्मेदारी संभाल लिये जाने के बावजूद, पुलिसकर्मी मारे जा रहे हैं तथा पुलिस थाने लूटे जा रहे हैं। पुलिस के करीब 40 जवान मार दिये गये हैं तथा उनकी लाशें फ्लाइ ओवरों से सिर के बल नीचे गिरा दी गई हैं।

नूरूल हक जैसे छात्र-नेताओं ने आरक्षण समाप्त कराने का आंदोलन चलाया था। लेकिन अब ये छात्र नेता अब पीछे धकेल दिये गये हैं तथा आंदोलन पर अब इस्लामिक कट्टरपंथियों का कब्जा हो गया है तथा ये कट्टरपंथी चीन और पाकिस्तान के प्रभाव से निर्देशित हो रहे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि इस आंदोलन को आरक्षण समाप्त करने से पूरी तरह अराजकता की स्थिति तक पहुँचाने के पीछे साफ तौर पर चीन और पाकिस्तान हैं।

भारत सरकार को अत्यधिक सतर्क रहना होगा तथा बांग्लादेश के एक कट्टरपंथी देश बनने की संभावनाओं के प्रति सचेत रहना होगा। भारत सरकार के समक्ष ऐसी ही स्थिति एक बार पहले भी आ चुकी है। काफी पहले, जब पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया सत्ता में थीं, हिन्दुओं पर ऐसे ही हमले हुये थे। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बांग्लादेश सरकार के पास एक औपचारिक संदेश भेजा था।

वाजपेयी ने चेतावनी दी थी कि अगर इस प्रकार के अत्याचार और उत्पीड़न के खिलाफ तत्काल कदम नहीं उठायेंगे तो भारत सरकार गंभीर कदम उठायेगी।

उस समय वाजपेयी की चेतावनी कारगर रही थी। क्या केंद्र सरकार उसी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को रोकने के लिये अब उसी प्रकार की कार्यवाही करेगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908